Job

Chapter 7

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1	הֲלֹא־	צָבָא	לֶאֱנוֹשׁ	]עַל־[	)עֲלֵי־(	אָרֶץ	וְכִימֵי	שָׂכִיר	יָמָיו׃
	क्या–नहीं–	युद्ध	मनुष्य–के–लिए	पर–	पर–	पृथ्वी	और–दिनों–की–तरह	मज़दूर	उसके–दिन
	H3808		H0582			H0776	H3117	H7916	H3117

अय्यूब ने कहा, “मनुष्य को धरती पर कठिन संघर्ष करना पड़ता है। उसका जीवन भाड़े के श्रमिक के जीवन जैसा होता है।

2	כְּעֶבֶד	יִשְׁאַף־	צֵל	וּכְשָׂכִיר	יְקַוֶּה	פָּעֳלוֹ׃
	दास–की–तरह	चाहता–है–	छाया	और–मज़दूर–की–तरह	इंतज़ार–करता–है	अपनी–मज़दूरी
	H5650		H6738	H7916		H6467

मनुष्य उस भाड़े के श्रमिक जैसा है जो तपते हुए दिन में मेहनत करने के बाद शीतल छाया चाहता है और मजदूरी मिलने के दिन की बाट जोहता रहता है।

3	כֵּן	הָנְחַלְתִּי	יַרְחֵי־	שָׁוְא	וְלֵילוֹת	עָמָל	מִנּוּ־	לִי׃
	ऐसे	विरासत–में–मिले	महीने–	व्यर्थता–के	और–रातें	कष्ट–की	गिनी–गई–	मुझे
		H5157	H3391	H7723	H3915	H5999	H4487	

महीने दर महीने बेचैनी के गुजर गये हैं और पीड़ा भरी रात दर रात मुझे दे दी गई है।

4	אִם־	שָׁכַבְתִּי	וְאָמַרְתִּי	מָתַי	אָקוּם	וּמִדַּד־	עָרֶב	וְשָׂבַעְתִּי	נְדֻדִים	עַד־
	यदि–	लेटा–मैं	और–कहा–मैंने	कब	उठूँगा–मैं	और–मापा–गई–	शाम	और–भर–गया–मैं	करवटें	तक–
		H7901	H0559	H4970		H4059	H6153	H7646	H5076	H5704

נֶשֶׁף׃
गोधूलि
H5399

जब मैं लेटता हूँ, मैं सोचा करता हूँ कि अभी और कितनी देर है मेरे उठने का यह रात घसीटती चली जा रही है। मैं छटपटाता और करवट बदलता हूँ, जब तक सूरज नहीं निकल आता।

5	לָבַשׁ	בְּשָׂרִי	רִמָּה	]וגיש[	)וְנִגּוּשׁ(	עָפָר	עוֹרִי	רָגַע	וַיִּמְאָס׃
	पहना–है	मेरा–मांस	कीड़े	और–ढेले	और–ढेले	धूल–के	मेरी–खाल	फटी	और–घृणित–है
	H3847	H1320	H7415	H1487	H1487	H6083	H5785		

मेरा शरीर कीड़ों और धूल से ढका हुआ है। मेरी त्वचा चिटक गई है और इसमें रिसते हुए फोड़े भर गये हैं।

6	יָמַי	קַלּוּ	מִנִּי־	אָרֶג	וַיִּכְלוּ	בְּאֶפֶס	תִּקְוָה׃
	मेरे–दिन	तेज़–हैं	से–	जुलाहे–के–डंडे	और–समाप्त–होते–हैं	बिना	आशा
	H3117	H7043		H0708	H3615		

“मेरे दिन जुलाहे की फिरकी से भी अधिक तीव्र गति से बीत रहें हैं। मेरे जीवन का अन्त बिना किसी आशा के हो रहा है।

7	זְכֹר	כִּי־	רוּחַ	חַיָּי	לֹא־	תָּשׁוּב	עֵינִי	לִרְאוֹת	טּוֹב׃
	याद–कर	कि–	हवा	मेरा–जीवन	नहीं–	लौटेगी	मेरी–आँख	देखने–को	अच्छा
	H2142		H7307		H3808	H7725		H7200	

हे परमेश्वर, याद रख, मेरा जीवन एक फूँक मात्र है। अब मेरी आँखें कुछ भी अच्छा नहीं देखेंगी।

8	לֹא־	תְּשׁוּרֵנִי	עֵין	רֹאִי	עֵינֶיךָ	בִּי	וְאֵינֶנִּי׃
	नहीं–	देखेगी–मुझे	आँख	देखनेवाले–की	तेरी–आँखें	मुझ–पर	और–नहीं–हूँगा–मैं
	H3808	H7789		H7210			H0369

अभी तू मुझको देख रहा है किन्तु फिर तू मुझको नहीं देख पायेगा। तू मुझको ढूँढेगा किन्तु तब तक मैं जा चुका होऊँगा।

9

כָּלָה	עָנָן	וַיֵּלַךְ	כֵּן	יוֹרֵד	שְׁאוֹל	לֹא	יַעֲלֶה׃
घुल-जाता-है	बादल	और-जाता-है	ऐसे	उतरनेवाला	अधोलोक	नहीं	चढ़ेगा
H3615	H6051	H3212		H3381	H7585	H3808	H5927

एक बादल छुप जाता है और लुप्त हो जाता है। इसी प्रकार एक व्यक्ति जो मर जाता है और कब्र में गाड़ दिया जाता है, वह फिर वापस नहीं आता है।

10

לֹא־	יָשׁוּב	עוֹד	לְבֵיתוֹ	וְלֹא־	יַכִּירֶנּוּ	עוֹד	מְקֹמוֹ׃
नहीं-	लौटेगा	फिर	अपने-घर-को	और-नहीं-	पहचानेगा-उसको	फिर	उसका-स्थान
H3808	H7725	H5750		H3808		H5750	H4725

वह अपने पुराने घर को वापस कभी भी नहीं लौटेगा। उसका घर उसको फिर कभी भी नहीं जानेगा।

11

גַּם־	אֲנִי	לֹא	אֶחֱשָׂךְ	פִּי	אֲדַבְּרָה	בְּצַר	רוּחִי	אָשִׂיחָה	בְּמַר	נַפְשִׁי׃
भी-	मैं	नहीं	रोकूँगा	अपना-मुँह	बोलूँगा-मैं	संकट-में	मेरी-आत्मा	कहूँगा-मैं	कड़वाहट-में	मेरी-जान
H1571	H0589	H3808	H2820	H6310	H1696		H7307	H7878	H4751	H5315

“अत: मैं चुप नहीं रहूँगा। मैं सब कह डालूँगा। मेरी आत्मा दु:खित है और मेरा मन कटुता से भरा है, अत: मैं अपना दुखड़ा रोऊँगा।

12

הֲיָם־	אָנִי	אִם־	תַּנִּין	כִּי־	תָשִׂים	עָלַי	מִשְׁמָר׃
क्या-समुद्र-	मैं	या-	अजगर	कि-	रखता-है-तू	मुझ-पर	पहरा
H3220	H0589						H4929

हे परमेश्वर, तू मेरी रखवाली क्यों करता है क्या मैं समुद्र हूँ, अथवा समुद्र का कोई दैत्य

13

כִּי־	אָמַרְתִּי	תְּנַחֲמֵנִי	עַרְשִׂי	יִשָּׂא	בְשִׂיחִי	מִשְׁכָּבִי׃
क्योंकि-	कहा-मैंने	सांत्वना-देगी-मुझे	मेरी-शैय्या	उठाएगा	मेरी-शिकायत-में	मेरा-बिस्तरा
	H0559	H5162	H6210	H5375	H7879	H4904

जब मुझ को लगता है कि मेरी खाट मुझे शान्ति देगी और मेरा पलंग मुझे विश्राम व चैन देगा।

14

וְחִתַּתַּנִי	בַחֲלֹמוֹת	וּמֵחֶזְיֹנוֹת	תְּבַעֲתַנִּי׃
और-डराया-तूने-मुझे	स्वप्नों-से	और-दर्शनों-से	घबराता-है-तू-मुझे
H2865	H2472	H2384	H1204

हे परमेश्वर, तभी तू मुझे स्वप्न में डराता है, और तू दर्शन से मुझे घबरा देता है।

15

וַתִּבְחַר	מַחֲנָק	נַפְשִׁי	מָוֶת	מֵעַצְמוֹתָי׃
और-चुनती-है	गला-घोंटना	मेरी-जान	मृत्यु	मेरी-हड्डियों-से
H0977	H4267	H5315	H4194	H6106

इसलिए जीवित रहने से अच्छा मुझे मर जाना ज्यादा पसन्द है।

16

מָאַסְתִּי	לֹא־	לְעֹלָם	אֶחְיֶה	חֲדַל	מִמֶּנִּי	כִּי־	הֶבֶל	יָמָי׃
तुच्छ-जाना-मैंने	नहीं-	सदा-के-लिए	जीऊँगा-मैं	छोड़	मुझसे	क्योंकि-	व्यर्थ	मेरे-दिन
	H3808	H5769	H2421	H2308			H1892	H3117

मैं अपने जीवन से घृणा करता हूँ। मेरी आशा टूट चुकी है। मैं सदैव जीवित रहना नहीं चाहता। मुझे अकेला छोड़ दे। मेरा जीवन व्यर्थ है।

17

מָה־	אֱנוֹשׁ	כִּי	תְגַדְּלֶנּוּ	וְכִי־	תָשִׁית	אֵלָיו	לִבֶּךָ׃
क्या-	मनुष्य	कि	बड़ा-मानता-है-तू-उसको	और-कि-	रखता-है-तू	उसकी-ओर	अपना-हृदय
H4100	H0582		H1431		H7896	H0413	

हे परमेश्वर, मनुष्य तेरे लिये क्यों इतना महत्वपूर्ण है क्यों तुझे उसका आदर करना चाहिये क्यों मनुष्य पर तुझे इतना ध्यान देना चाहिये

18

וַתִּפְקְדֶנּוּ	לִבְקָרִים	לִרְגָעִים	תִּבְחָנֶנּוּ׃
और-जाँचता-है-तू-उसको	सुबहों-को	पलों-को	परखता-है-तू-उसको
	H1242	H7281	H0974

हर प्रात: क्यों तू मनुष्य के पास आता है और हर क्षण तू क्यों उसे परखा करता है

19

כַּמָּה	कब–तक	H4100
לֹא־	नहीं–	H3808
תִשְׁעֶה	मुड़ेगा–तू	H8159
מִמֶּנִּי	मुझसे	
לֹא־	नहीं–	H3808
תַרְפֵּנִי	छोड़ेगा–तू–मुझे	H7503
עַד־	तक–	H5704
בִּלְעִי	निगलने–तक–मेरे–	H1104
רֻקִּי׃	थूक	H7536

> हे परमेश्वर, तू मुझसे कभी भी दृष्टि नहीं फेरता है और मुझे एक क्षण के लिये भी अकेला नहीं छोड़ता है।

20

חָטָאתִי	पाप–किया–मैंने	H2398
מָה	क्या	H4100
אֶפְעַל	करूँ–मैं	H6466
לָךְ	तुझे	
נֹצֵר	हे–रखवाले	H5341
הָאָדָם	मनुष्य–के	H0120
לָמָה	क्यों	H4100
שַׂמְתַּנִי	बनाया–तूने–मुझे	
לְמִפְגָּע	निशाना	H4645
לָךְ	तेरे–लिए	
וָאֶהְיֶה	और–हो–गया–मैं	H1961
עָלַי	अपने–लिए	
לְמַשָּׂא׃	भार	

> हे परमेश्वर, तू लोगों पर दृष्टि रखता है। यदि मैंने पाप किया, तब मैं क्या कर सकता हूँ तूने मुझको क्यों निशाना बनाया है क्या मैं तेरे लिये कोई समस्या बना हूँ

21

וּמֶה	और–क्यों	H4100
לֹא־	नहीं–	H3808
תִשָּׂא	उठाता–है–तू	H5375
פִשְׁעִי	मेरा–अपराध	H6588
וְתַעֲבִיר	और–हटाता–है–तू	
אֶת־	को–	H0853
עֲוֺנִי	मेरा–अधर्म	H5771
כִּי־	क्योंकि–	
עַתָּה	अब	H6258
לֶעָפָר	धूल–में	H6083
אֶשְׁכָּב	लेटूँगा–मैं	H7901
וְשִׁחֲרְתַּנִי	और–खोजेगा–तू–मुझे	H7836
וְאֵינֶנִּי׃	और–नहीं–हूँगा–मैं	H0369
פ	प	

> क्यों तू मेरी गलतियों को क्षमा नहीं करता और मेरे पापों को क्यों तू माफ नहीं करता है मैं शीघ्र ही मर जाऊँगा और कब्र में चला जाऊँगा। जब तू मुझे ढूँढेगा किन्तु तब तक मैं जा चुका होऊँगा।”